



दैनिक जागरण



दैनिक भास्कर



जनसत्ता

Daily

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

17 March



Quote of the Day



समय इंसान को **सफल** 
नहीं बनाता बल्कि
समय का **सही इस्तेमाल** 
इंसान को **सफल** बनाता है ! 



नदियों को लेकर चिंता में सिक्किम की लेपचा समुदाय?

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 2**





जोंगू क्षेत्र: पारंपरिक विरासत पर संकट

- ✓ सिक्किम के उत्तरी जिले में स्थित जोंगू कंचनजंगा राष्ट्रीय उद्यान के बाहरी इलाके में स्थित है।
- ✓ यह लेप्चा समुदाय का पारंपरिक निवास स्थान है, जहां से तीस्ता और उसकी सहायक नदियां बहती हैं।
- ✓ जलवायु परिवर्तन और जलविद्युत परियोजनाओं के चलते इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

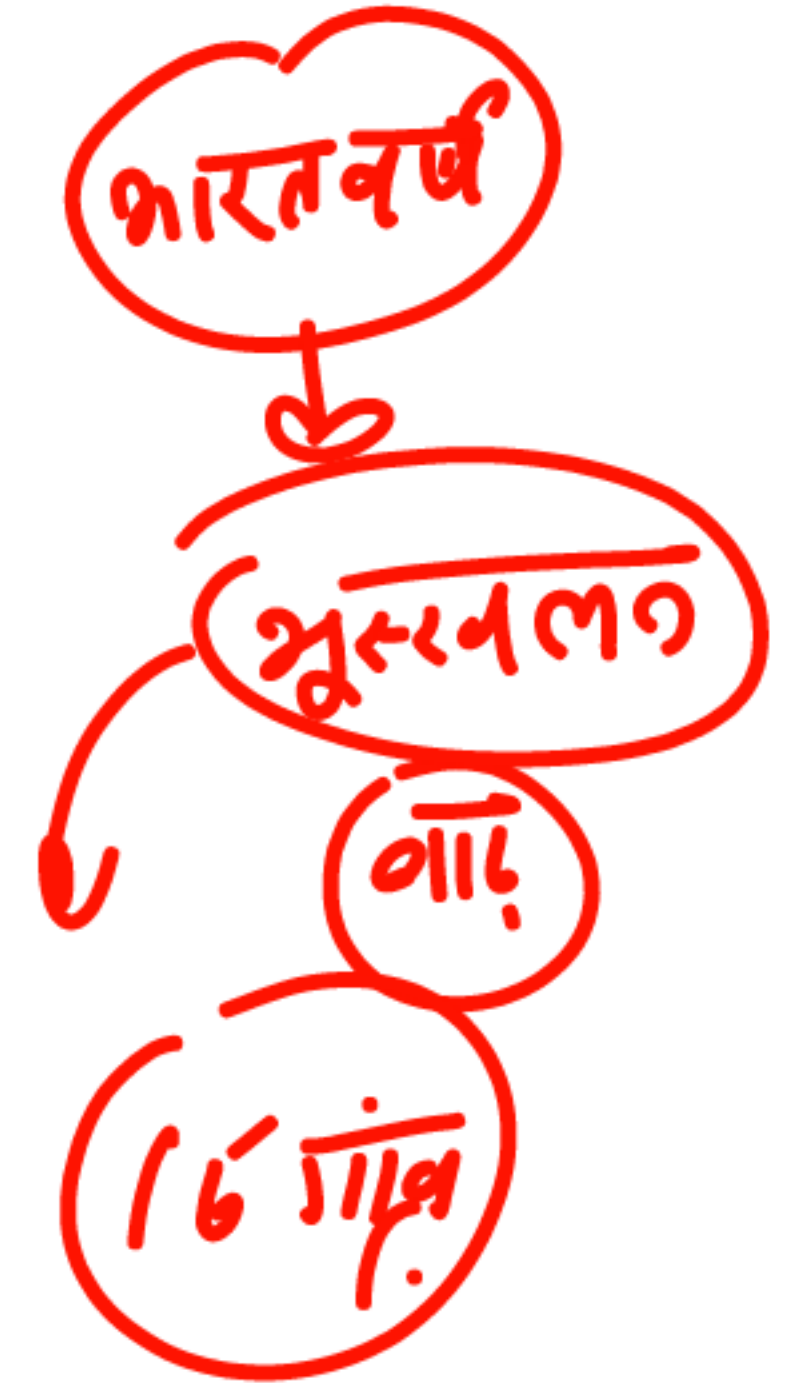


सिक्किम → जोंगू



बढ़ती आपदाएं और उनका प्रभाव

- ✓ पिछले दो दशकों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।
- ✓ 2016 में: एक बड़े भूस्खलन से ऊपरी जोंगू के 16 गांव बाकी सिक्किम से कट गए।
 - ✓ ये गांव अब केवल एक अस्थायी पुल से जुड़े हैं, जो मानसून में बह जाता है।
 - ✓ इस पुल का उपयोग भारतीय सेना भी करती है, फिर भी स्थायी समाधान नहीं निकाला गया।
- ✓ 2024 में: बादल फटने से भारी बाढ़ आई, जिससे संपत्ति और पशुधन का बड़ा नुकसान हुआ।





जलविद्युत परियोजनाओं के खिलाफ संघर्ष

- ✓ जलविद्युत परियोजनाएं आपदाओं को बढ़ावा दे रही हैं।
- ✓ 2009 में: तीस्ता-3 परियोजना के विरोध में समुदाय ने भूख हड़ताल की, लेकिन परियोजना नहीं रुकी।
- ✓ 2023 में: इसी परियोजना का बांध हिमनदी में आई बाढ़ में बह गया, जिसमें 55 लोगों की जान गई।
- ✓ अब इस बांध का पुनर्निर्माण हो रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों की राय नहीं ली गई।

आपदाओं

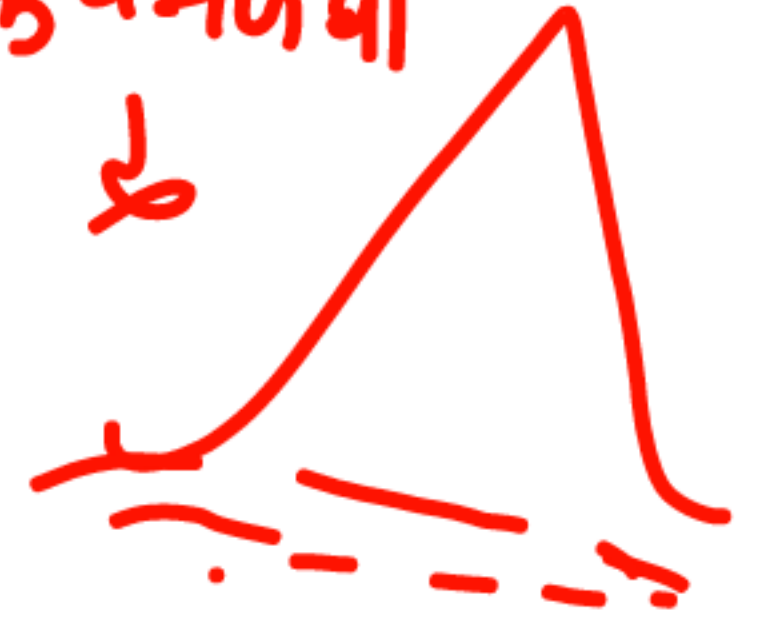


संस्कृति और परंपराओं पर खतरा

- ✓ लेप्चा समुदाय की संस्कृति प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई है।
- ✓ पारंपरिक मान्यता: मृत्यु के बाद आत्मा का कंचनजंगा पर्वत की तलहटी में लौटना होता है।
- ✓ आत्मा की यात्रा नदी के माध्यम से होती है, जिसे रोंगयोंग नंदी के जरिए तीस्ता नदी से जोड़ा जाता है।

लेप्चा समुदाय

कंचनजंगा





संस्कृति और परंपराओं पर खतरा

- ✓ जंगलों का संरक्षण भी समुदाय की धार्मिक मान्यताओं का हिस्सा है।
- ✓ हर परिवार से एक पुरुष सदस्य साल में एक बार जंगल में चढ़ावा अर्पित करता है।
- ✓ इसमें चावल, फल, जिंदा मुर्गे और खमीरयुक्त मिलेट का चढ़ावा दिया जाता है।



औद्योगिकीकरण और आजीविका संकट

- ✓ बीते वर्षों में तीस्ता किनारे कई दवा कंपनियों की फैक्ट्रियां खुल गई हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है।
- ✓ समुदाय के लोग अब पर्यटन की ओर रुख कर रहे हैं ताकि जलविद्युत संयंत्रों और दवा कंपनियों को अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर न होना पड़े।
- ✓ युवा रोजगार की तलाश में शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कर रहे हैं।



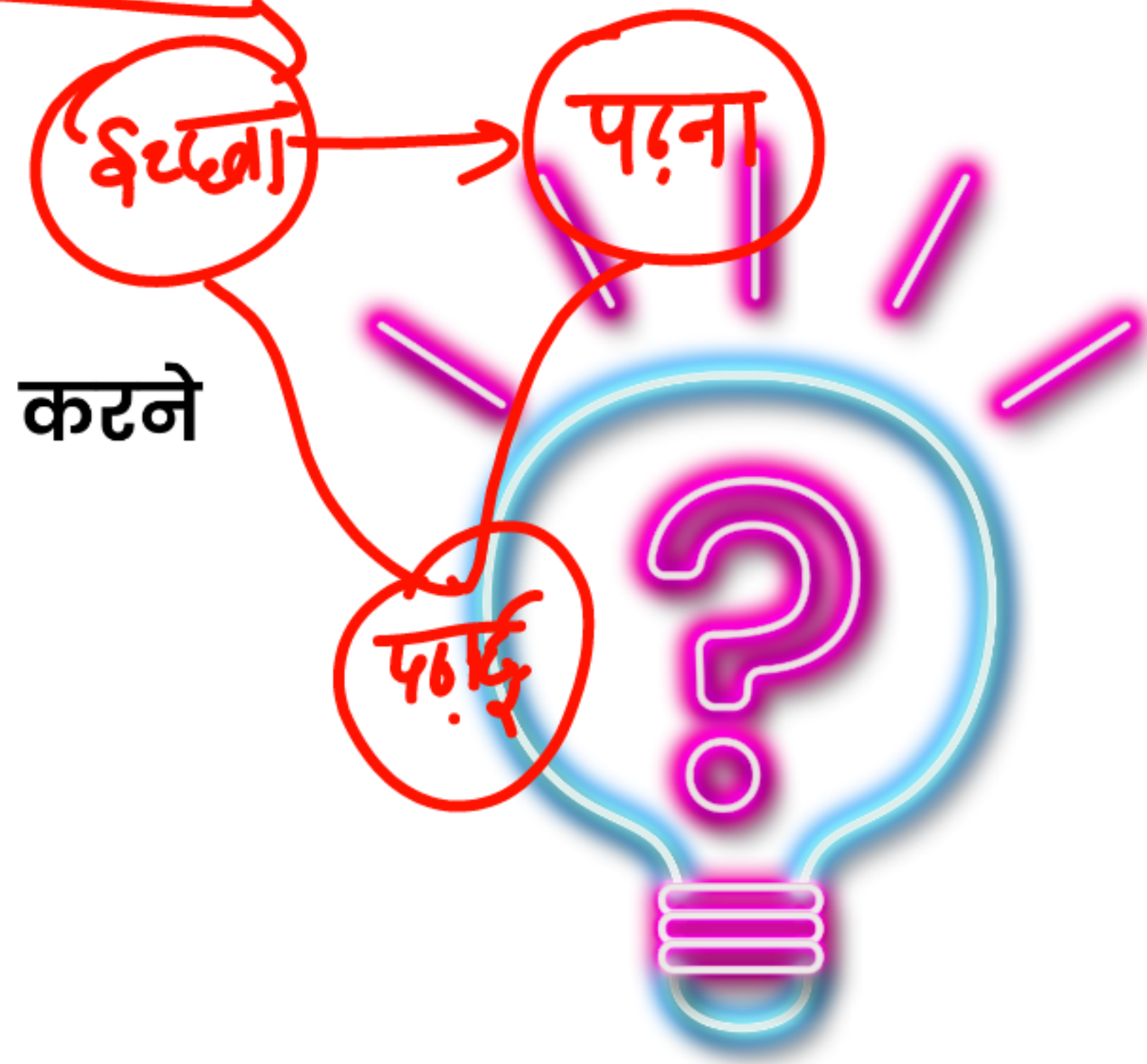
नदी अभयारण्य की मांग

- ✓ लेप्चा समुदाय चाहता है कि जोंगू क्षेत्र को नदी अभयारण्य (रिवराइन सैंक्चुरी) का दर्जा दिया जाए।
- ✓ यह विकास परियोजनाओं पर कुछ हद तक नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास है।
- ✓ लेकिन सरकार के हस्तक्षेप और समर्थन के बिना यह संभव नहीं है।
- ✓ अगर तत्काल उपाय नहीं किए गए, तो इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी और भी अधिक बिगड़ सकती है।



सिक्किम के जोंगू क्षेत्र में लेप्चा समुदाय किन मुख्य कारणों से नदी अभयारण्य का दर्जा चाहता है?

- (A) पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए
- (B) ~~जलविद्युत परियोजनाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए~~
- (C) कृषि विस्तार के लिए भूमि सुरक्षित करने के लिए
- (D) खनन उद्योग को विकसित करने के लिए



नौसैनिक अभ्यास बोंगोसागर

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 3**



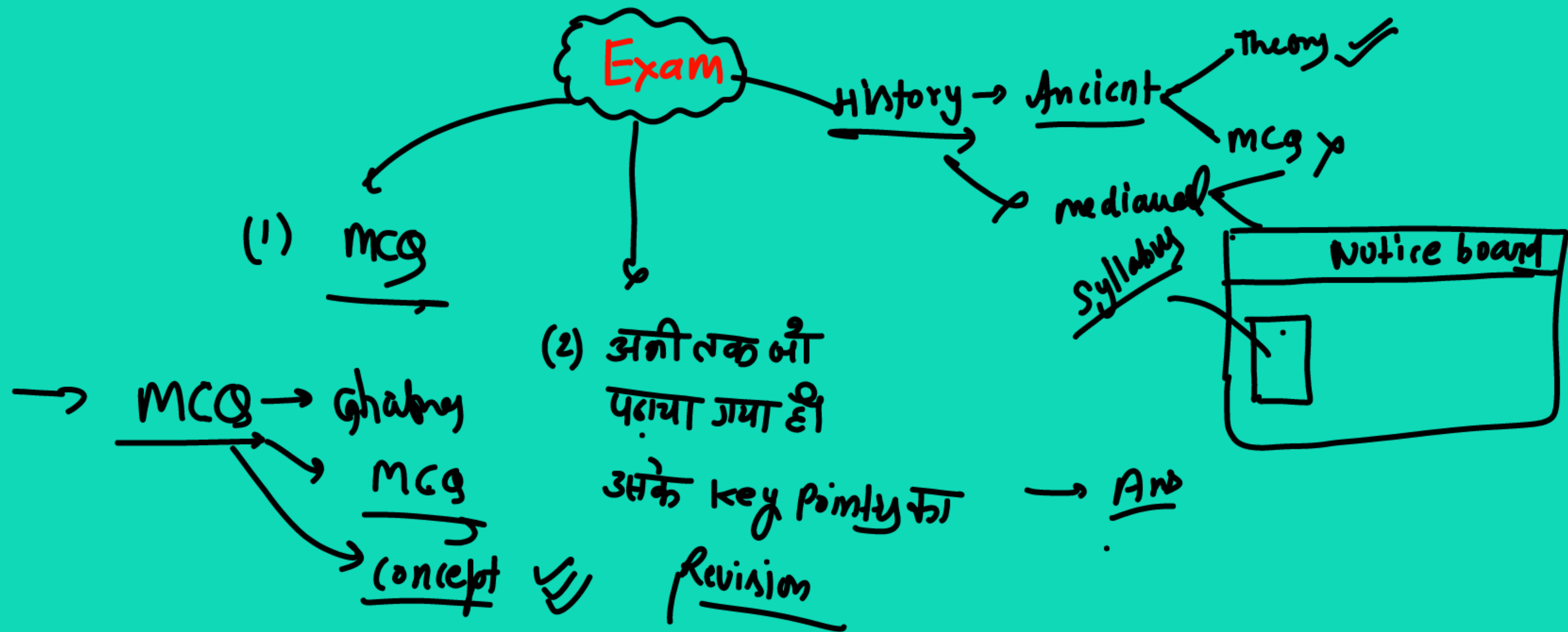


चर्चा में क्यों

- ✓ विशाखापत्तनम में भारतीय और बांग्लादेशी नौसेनाओं के बीच बोंगोसागर-23 का चौथा संस्करण और कॉरपेट (CORPAT) का पांचवां संस्करण 7 नवंबर से 9 नवंबर 2023 तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया।

→ किस किसके मध्य - भारत Vs बांग्लादेश
→ चौथा संस्करण
→





उत्तर लेखन

≡ बौद्ध धर्म एवं उसके पतन के कारण

- कब से कब तक
- बौद्ध धर्म की उत्पत्ति के काल
- विशेषताएँ
- कृषीरियां
- पतन के काल

मृगाल नाष्ट्राज्य के
नैर्द्ध नाष्ट्राज्य जा पतन

→ कब नि. करे



बोंगोसागर-23: प्रमुख बिंदु

- ✓ भारतीय नौसेना के जहाज कुठार, किल्टान और डोर्नियर समुद्री गश्ती विमान ने अभ्यास में भाग लिया।
- ✓ बांग्लादेश नौसेना से अबू बक्र, अबू उबैदाह और एमपीए शामिल हुए।
- ✓ अभ्यास में निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं:
 - ✓ संचार अभ्यास
 - ✓ सतह पर गन-शूट
 - ✓ सामरिक युद्धाभ्यास
 - ✓ अन्य परिचालनिक अभ्यास



बोंगोसागर-23: प्रमुख बिंदु

- ✓ दोनों नौसेनाओं ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास संयुक्त गश्त की।
- ✓ अंतरसंचालनीयता (Interoperability) बढ़ाने के लिए संयुक्त समुद्री अभ्यास किया गया।



CORPAT-23 (Coordinated Patrol): प्रमुख बिंदु

- ✓ इस संस्करण में पहली बार मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) अभ्यास शामिल किया गया।
- ✓ समुद्र में खोज और बचाव अभियानों पर विशेष ध्यान दिया गया।
- ✓ समन्वित गश्ती और संयुक्त अभियानों ने दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी सहयोग और समझ को मजबूत किया।



बोंगोसागर अभ्यास का महत्व

- ✓ इस संस्करण में पहली बार मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) अभ्यास शामिल किया गया।
- ✓ समुद्र में खोज और बचाव अभियानों पर विशेष ध्यान दिया गया।
- ✓ समन्वित गश्ती और संयुक्त अभियानों ने दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी सहयोग और समझ को मजबूत किया।



हाल ही में यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल भारत के किस स्थल में प्राचीन शिलालेख शामिल हैं?

- (A) कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान
- (B) मुदुमल मेगालिथिक मेन्डिर
- (C) अशोककालीन शिलालेख स्थल
- (D) बुंदेला राजवंश के महल-किले



भारत की छह नई संपत्तियां यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 2**





✓ भारत ने हाल ही में अपने छह नए स्थलों को यूनेस्को की अस्थायी सूची में जोड़ा है, जिससे देश में ऐसे स्थलों की कुल संख्या 62 हो गई है। इस सूची में प्राचीन शिलालेख, ऐतिहासिक मंदिर और एक राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।

✓ भारत के स्थायी प्रतिनिधि मंडल ने 7 मार्च 2024 को यूनेस्को में इन स्थलों को आधिकारिक रूप से प्रस्तुत किया। इसकी घोषणा भारत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर साझा की।



- चौंसठ योगिनी मंदिर
- कांगेर वैली नेशनल पार्क
- उत्तर भारत के गुप्त कलात्मक मंदिर
- खजुराहो के शिलालेख



अस्थायी सूची का महत्व

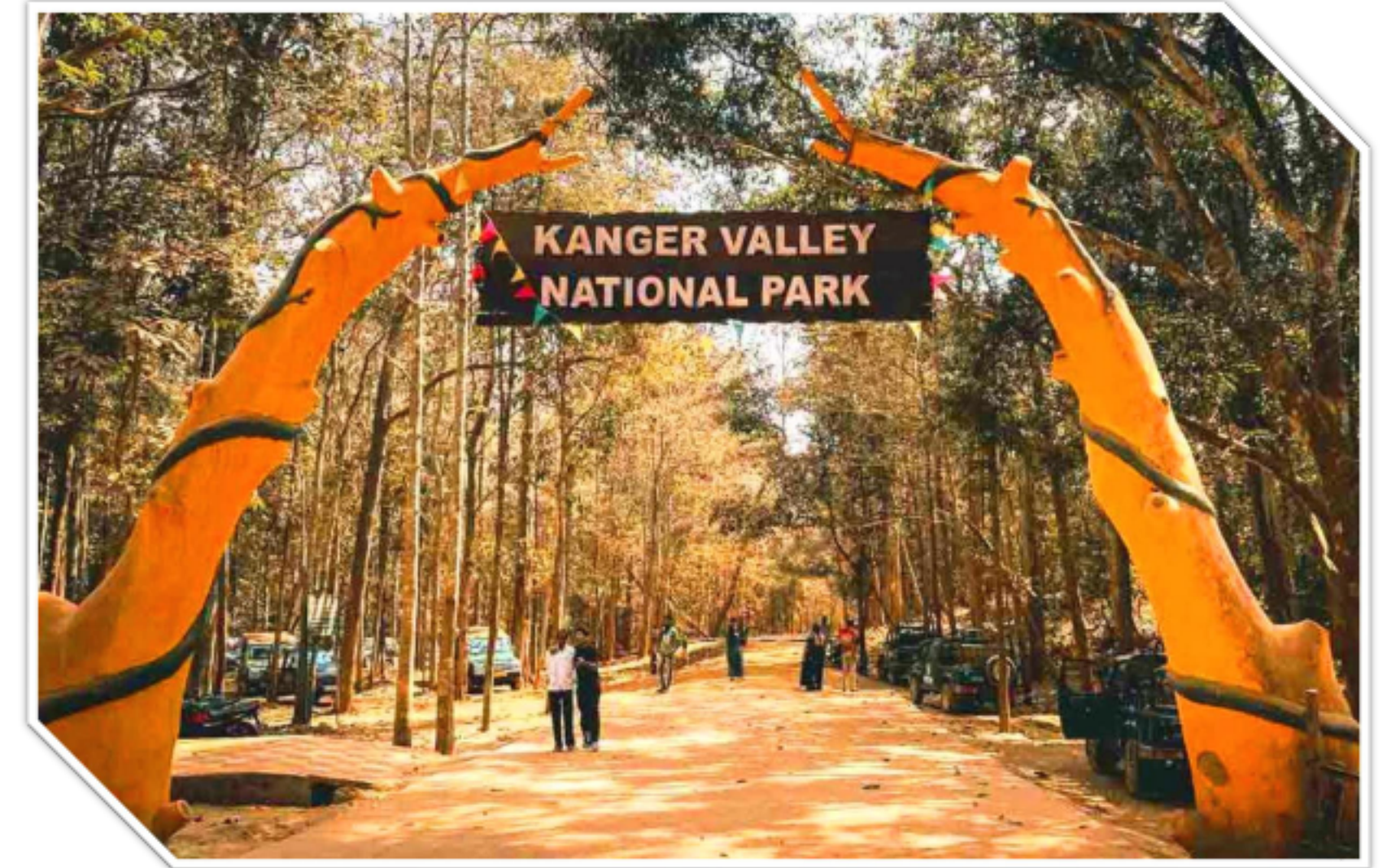
- ✓ यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में नामांकन के लिए अस्थायी सूची में शामिल होना अनिवार्य है।
- ✓ प्रत्येक देश को पहले किसी स्थल को अपनी अस्थायी सूची में रखना होता है, तभी उसे औपचारिक रूप से नामांकित किया जा सकता है।
- ✓ यह सूची भारत की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।



हाल ही में जोड़े गए छह स्थल

1. कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान (छत्तीसगढ़)

- ✓ अपनी जैव विविधता और अद्वितीय भूवैज्ञानिक संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध।
- ✓ बस्तर जिले में स्थित यह उद्यान चूना पत्थर की गुफाओं, जलप्रपातों और समृद्ध वन्यजीवों का घर है।
- ✓ छत्तीसगढ़ के राज्य पक्षी बस्तर हिल मैना के लिए महत्वपूर्ण आवास।





हाल ही में जोड़े गए छह स्थल

2. मुदुमल मेगालिथिक मेन्हिर (तेलंगाना)

- ✓ यह प्रागैतिहासिक स्थल मेगालिथिक युग की संरचनाओं के लिए प्रसिद्ध है।
- ✓ संभवतः लोहे के युग में दफनाने और खगोलीय अध्ययन के लिए उपयोग किए जाते थे।
- ✓ प्राचीन भारतीय मेगालिथिक संस्कृति को समझने के लिए महत्वपूर्ण।





हाल ही में जोड़े गए छह स्थल

3. अशोककालीन शिलालेख स्थल (विभिन्न राज्य)

- ✓ सम्राट अशोक द्वारा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में उकेरे गए शिलालेखों का समूह।
- ✓ इनमें मौर्य शासन, प्रशासन और बौद्ध धर्म के प्रसार के प्रमाण मिलते हैं।
- ✓ चट्टानों, गुफाओं और स्तंभों पर उकेरे गए अभिलेख।

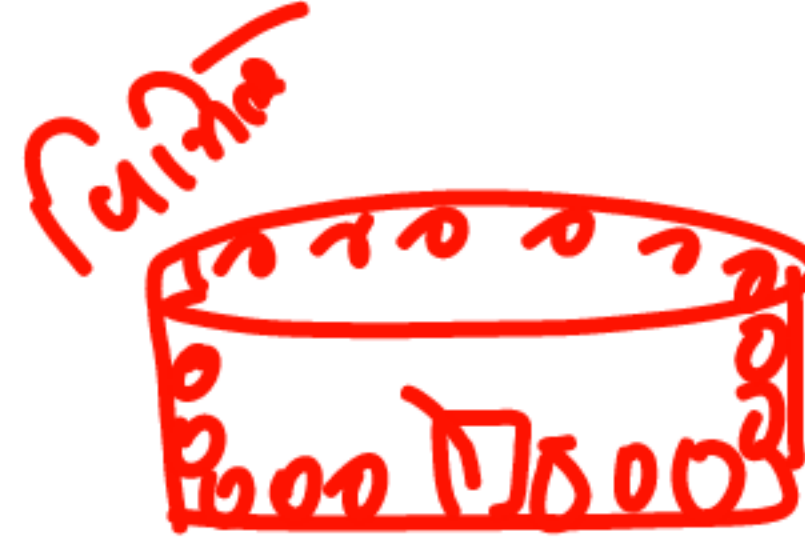




हाल ही में जोड़े गए छह स्थल

4. चौसठ योगिनी मंदिर (विभिन्न राज्य)

- ✓ 64 देवी-योगिनियों को समर्पित प्राचीन मंदिर।
- ✓ गोलाकार संरचनाओं में निर्मित, जो प्रायः पहाड़ियों की चोटी पर स्थित होते हैं।
- ✓ तांत्रिक पूजा परंपराओं में धार्मिक और स्थापत्य महत्व रखते हैं।



संरचना का डिजाइन



पुस्तिका



हाल ही में जोड़े गए छह स्थल

5. गुप्तकालीन मंदिर (उत्तर भारत के विभिन्न राज्य)

- ✓ गुप्तकालीन स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण।
- ✓ चौथी से छठी शताब्दी ईस्वी के बीच निर्मित।
- ✓ प्रमुख उदाहरणों में देवगढ़ का दशावतार मंदिर और नचना का पार्वती मंदिर शामिल हैं।





हाल ही में जोड़े गए छह स्थल

6. बुंदेला राजवंश के महल-किले (मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश)

- ✓ मध्यकालीन भारत की ऐतिहासिक धरोहर।
- ✓ राजपूत और मुगल स्थापत्य शैली का मिश्रण।
- ✓ प्रमुख उदाहरण: ओरछा का जहांगीर महल और दतिया का गोविंद महल।

हरदोले

जोड़ी

राजा

वीर सिंह बुंदेला

जुसार सिंह

कुंवर गणेश

उज्जैन



ज्याप गुफा का स्तंभ

राजलाल मंदिर





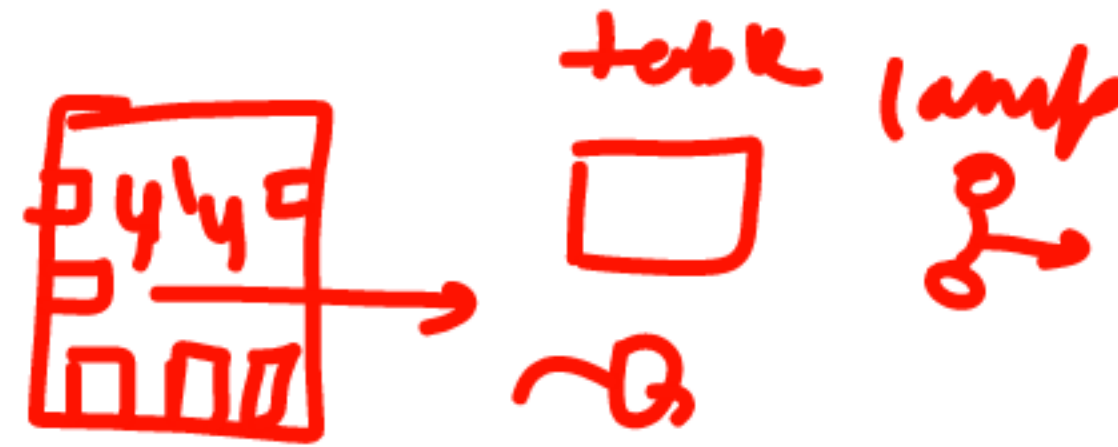
भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

✓ वर्तमान में भारत के 43 स्थल यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में हैं:

✓ सांस्कृतिक स्थल: 35

✓ प्राकृतिक स्थल: 7

✓ मिश्रित स्थल: 1



✓ 2024 में भारत ने पहली बार विश्व धरोहर समिति की बैठक की मेजबानी की।

✓ इसी वर्ष, असम के मोड़डाम्स (अहोम वंश के समाधि स्थल) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।





हाल ही में यूनेस्को की अस्थायी सूची में शामिल भारत के किस स्थल में प्राचीन शिलालेख शामिल हैं?

- (A) कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान
- (B) मुदुमल मेगालिथिक मेन्डिर
- (C) अशोककालीन शिलालेख स्थल
- (D) बुंदेला राजवंश के महल-किले

हैंनेट
जोस पिंसेस
1861



(C)

APAAR आईडी

UPSC Syllabus Relevanace

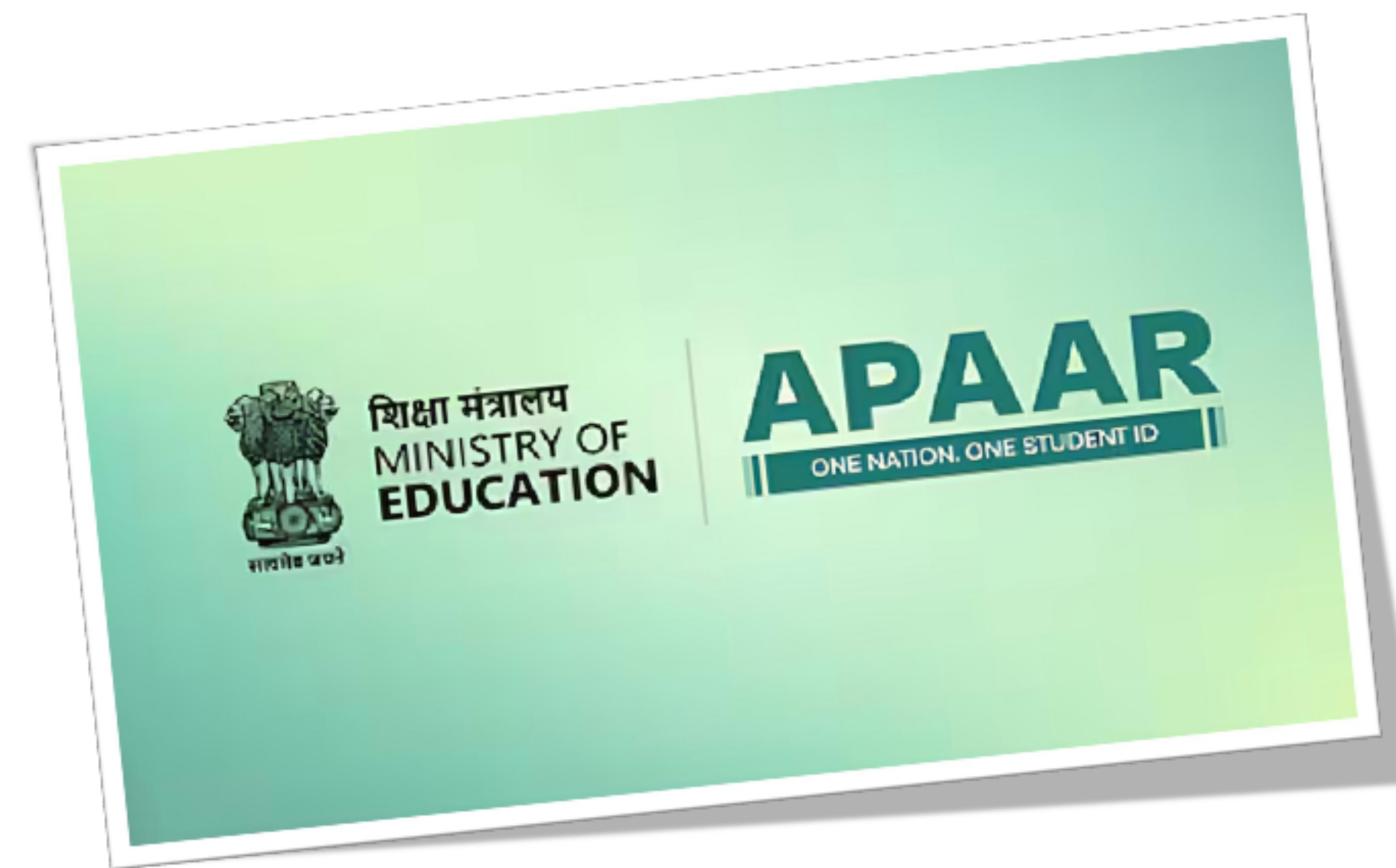
- **UPSC Mains Paper 2**





ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (APAAR) आईडी का उद्देश्य छात्र रिकॉर्ड को मानकीकृत करना है। हालाँकि, कार्यान्वयन, डेटा गोपनीयता पर चिंताओं ने कार्यकर्ताओं के बीच बहस छेड़ दी है।

APAAR





APAAR आईडी:

- ✓ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शुरू की गई और राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क के साथ संरेखित, इसका उद्देश्य शैक्षणिक रिकॉर्ड को सुव्यवस्थित करने और शैक्षिक स्तरों के बीच संक्रमण को सुविधाजनक बनाने के लिये "वन नेशन वन स्टूडेंट आईडी कार्ड" प्रणाली स्थापित करना है।



APAAR आईडी:

- ✓ APAAR एक 12-अंकीय ID प्रदान करता है, जो भंडारण और सत्यापन के लिये शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटलॉकर और एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट से जोड़ता है।
- ✓ स्कूल डेटा रिकॉर्ड करते हैं, जबकि उच्च शिक्षा संस्थान और कौशल संस्थान प्रवेश और भर्ती के लिये सत्यापित शैक्षणिक रिकॉर्ड तक पहुँच बनाते हैं।



APAAR ID के बारे में चिंताएँ:

- ✓ APAAR के आधार लिंकेज में वर्तनी की गड़बड़ी के कारण समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं, जिसके कारण इसे अपडेट करना आवश्यक हो गया है।



APAAR ID के बारे में चिंताएँ:

- ✓ जबकि शिक्षा मंत्रालय का दावा है कि एपीएएआर स्वैच्छिक है, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा APAAR के 100% नामांकन के लिये दिया गया दबाव अंतर्निहित अनिवार्यताओं की चिंता को जन्म देता है, जो न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ (2019) में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का खंडन करता है, जिसमें कहा गया था कि बुनियादी शिक्षा तक पहुँच के लिये आधार की आवश्यकता नहीं हो सकती है।



APAAR ID के बारे में चिंताएँ:

- ✓ वकालत करने वाले समूह मज़बूत डेटा सुरक्षा के बिना नाबालिगों के संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा को संभालने में जोखिमों के बारे में चिंतित हैं।
- ✓ डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 (जो अभी तक लागू नहीं हुआ है) में यह अनिवार्य किया गया है कि सहमति स्वतंत्र, सूचित और स्पष्ट होनी चाहिये, जिसके बारे में कार्यकर्ताओं का तर्क है कि इसे नज़रअंदाज किया जा रहा है।



APAAR आईडी का मुख्य उद्देश्य क्या है?

- (A) डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना
- (B) छात्रों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को एकीकृत और मानकीकृत करना
- (C) आधार कार्ड को शिक्षा से जोड़ना
- (D) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए छात्रों का डाटा संग्रहीत करना



उपभोक्ताओं के अधिकार और उपभोक्ता अधिकार दिवस

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 2**





विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

- ✓ तारीख: 15 मार्च
- ✓ महत्व: उपभोक्ता अधिकारों और संरक्षण को बनाए रखने की अनिवार्यता की याद दिलाने के लिए यह दिन मनाया जाता है।





उपभोक्ता अधिकारों का प्रचार

- ✓ यह दिन सभी उपभोक्ताओं के मौलिक अधिकारों को बढ़ावा देने और उनके सम्मान व सुरक्षा को सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान करता है।

वर्ष 2025 की थीम

- ✓ थीम: सतत जीवनशैली की ओर न्यायसंगत परिवर्तन



सरकार की पहल

- ✓ उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और उनकी शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं।
- ✓ "जागो ग्राहक जागो" अभियान के तहत उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।



उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली

- ✓ राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन ने 1000 से अधिक कंपनियों के साथ साझेदारी की है ताकि शिकायतों का त्वरित समाधान हो सके।

ई-कॉमर्स में उपभोक्ता संरक्षण ✓

उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 लागू किए गए हैं:

- ✓ ई-कॉमर्स कंपनियों की ज़िम्मेदारियों को परिभाषित किया गया है।
- ✓ मार्केटप्लेस और इन्वेंट्री ई-कॉमर्स कंपनियों की जवाबदेही तय की गई है।
- ✓ ग्राहक शिकायत निवारण के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।



2025 के विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की थीम क्या है?

- (A) डिजिटल उपभोक्ता अधिकार
- (B) सतत जीवनशैली की ओर न्यायसंगत परिवर्तन
- (C) उपभोक्ता सुरक्षा और अधिकार
- (D) पारदर्शिता और निष्पक्षता



युवाओं में किडनी रोग के बढ़ते मामलों से बड़ी चिंता

UPSC Syllabus Relevanace

- **UPSC Mains Paper 2**





युवाओं में बढ़ते किडनी कैंसर के मामले

- ✓ 13 मार्च को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है।
- ✓ किडनी कैंसर के मामले 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ रहे हैं।
- ✓ पहले इसे बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था, लेकिन अब युवा भी इससे प्रभावित हो रहे हैं।





क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) के बढ़ते कारण

- ✓ मधुमेह और उच्च रक्तचाप मुख्य कारणों में से हैं।
- ✓ अनियमित जीवनशैली भी किडनी रोगों को बढ़ावा दे रही है।

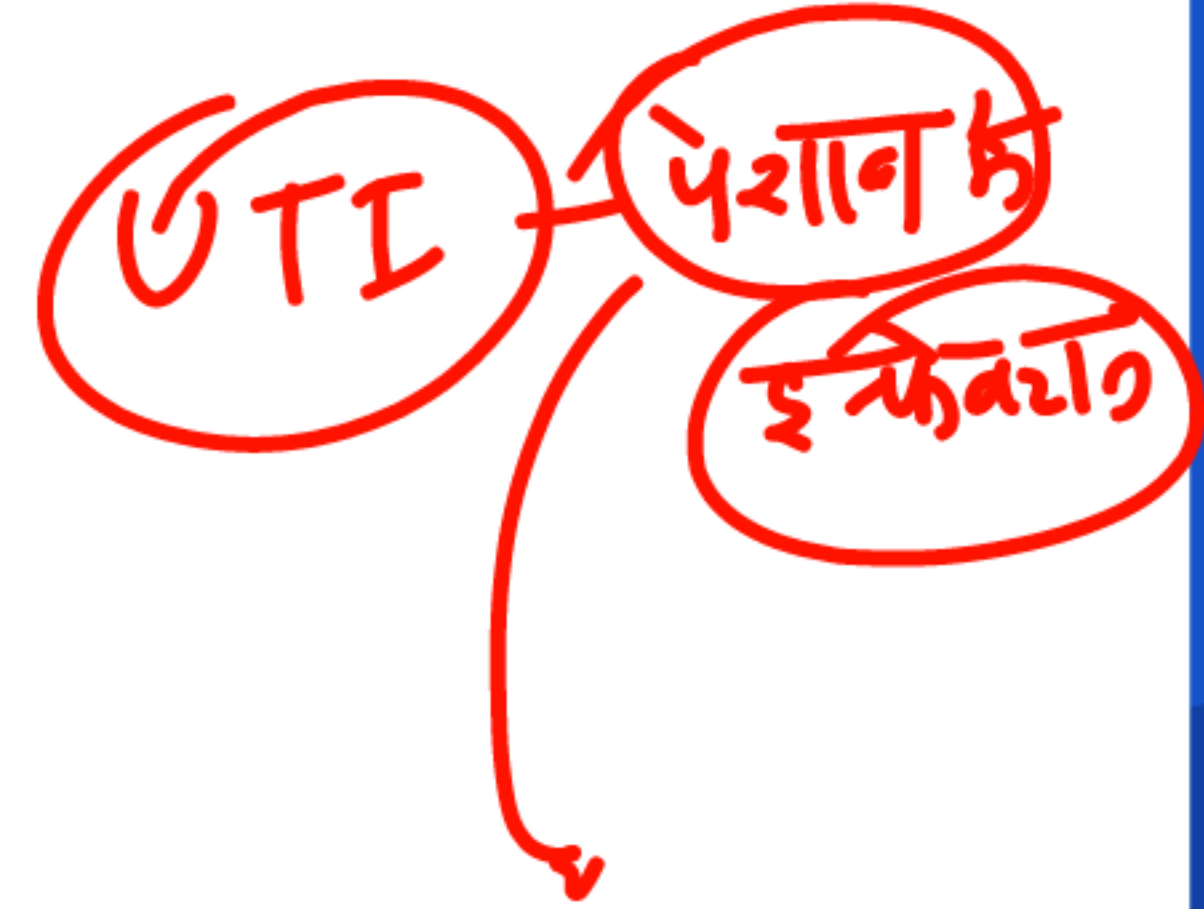
किडनी के कार्य और महत्व

- ✓ विषाक्त पदार्थों को छानना और इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखना।
- ✓ हड्डियों के स्वास्थ्य और लाल रक्त कोशिका उत्पादन में योगदान।



किडनी से जुड़ी प्रमुख समस्याएं

- ✓ मूत्र मार्ग संक्रमण (यूटीआई), गुर्दे की पथरी जैसी समस्याएं खतरनाक हो सकती हैं।
- ✓ इनका समय पर इलाज न होने पर जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो सकती है।





भारत में किडनी रोग का बढ़ता प्रकोप

- ✓ एक अध्ययन के अनुसार, दक्षिण भारत में सीकेडी का प्रचलन 14.78% है।
- ✓ जेआईपीएमईआर के शोध के अनुसार, भारत में सीकेडी का कुल प्रसार 13.24% तक पहुंच चुका है।
- ✓ पुरुषों में सीकेडी की दर 14.80% और महिलाओं में 13.51% है।





चिंताजनक वृद्धि दर

- ✓ 2011-2017 के बीच 11.12% था, जो 2018-2023 में बढ़कर 16.38% हो गया।
- ✓ अध्ययन के अनुसार, यह दर 2.64% से 30.17% तक जा सकती है।



क्षेत्रीय भिन्नताएं

- ✓ दक्षिण भारत में सीकेडी के मामले सर्वाधिक हैं।
- ✓ पश्चिमी क्षेत्र (15.27%) और मध्य भारत (16.74%) में भी उच्च दर देखी गई।
- ✓ पूर्वी भारत में प्रसार 8.58% और उत्तर भारत में सबसे कम 7.2% दर्ज किया गया।
- ✓ ग्रामीण इलाकों में यह 15.34% जबकि शहरी क्षेत्रों में 10.65% है।





समाधान और सावधानियां

- ✓ जागरूकता बढ़ाने और किडनी स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की जरूरत।
- ✓ नियमित स्वास्थ्य जांच कराना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक।
- ✓ समय पर निदान और उपचार से रोग की गंभीरता को रोका जा सकता है।



स्वस्थ भविष्य की ओर

- ✓ किडनी रोगों से बचाव संभव है, विशेष रूप से युवाओं में।
- ✓ समय रहते जरूरी कदम उठाकर इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या से निपटा जा सकता है।



भारत में किडनी रोग (CKD) का प्रचलन किस क्षेत्र में सबसे अधिक पाया गया है?

- (A) उत्तर भारत
- (B) पूर्वी भारत
- (C) दक्षिण भारत
- (D) उत्तर-पूर्व भारत



शुभमन गिल को ICC प्लेयर ऑफ द मंथ

UPSC Syllabus Relavanace

- **UPSC Mains Paper 2**





शुभमन गिल की नई उपलब्धि

- ✓ भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल ने फरवरी 2025 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता है। यह तीसरी बार है जब उन्होंने यह सम्मान प्राप्त किया है। इससे पहले:
 - ✓ जनवरी 2023 और
 - ✓ सितंबर 2023 में भी उन्हें यह खिताब मिला था।





शानदार प्रदर्शन का परिणाम

- ✓ फरवरी 2025 में गिल ने पांच वनडे मैचों में बेहतरीन बल्लेबाजी की:
 - ✓ कुल रन: 406
 - ✓ औसत: 101.50
 - ✓ स्ट्राइक रेट: 94.19
- ✓ विशेष रूप से इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज़ में उन्होंने:
 - ✓ दो अर्धशतक और एक शतक जड़ा।
 - ✓ भारत को 3-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।



शानदार प्रदर्शन का परिणाम

- ✓ इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में:
 - ✓ बांग्लादेश के खिलाफ *101 रन की नाबाद पारी खेली।
 - ✓ पाकिस्तान के खिलाफ 46 रन बनाए।



बाबर आजम की बराबरी

- ✓ गिल अब पाकिस्तान के बाबर आजम के रिकॉर्ड की बराबरी कर चुके हैं, जिन्होंने भी तीन बार यह पुरस्कार जीता है।

भारतीय क्रिकेट में बढ़ती भूमिका

- ✓ गिल की यह सफलता दर्शाती है कि वे भारतीय क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में उभर चुके हैं। उनकी फॉर्म को देखते हुए, वे आगामी मैचों में भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।



फरवरी 2025 में शुभमन गिल ने ICC प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार कितनी बार जीता है?

(A) एक बार

(B) दो बार

(C) तीन बार

(D) चार बार



Thank You